No. of Printed Pages : 4

MHI-08

MASTER OF ARTS (HISTORY)

Term-End Examination

01080

December, 2015

MHI-08 : HISTORY OF ECOLOGY AND ENVIRONMENT IN INDIA

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer any **five** questions in about 500 words each. Attempt at least **two** questions from each section. All questions carry equal marks.*

SECTION I

1. Discuss the social perceptions of landscape as it evolved since ancient times. *20*

2. Write a note on the resource-use-practice and it's impact on human society from the beginning of agriculture to the beginning of Iron Age. *20*

3. Examine the human-nature interactions with specific reference to Nomadic pastoralism. *20*

4. Examine the influences of environment on the emergence and growth of Indus Valley Civilisation. *20*

5. Account for the changing resource use patterns with respect to forest resources during pre-colonial period. *20*

SECTION II

6. What role do you envisage for humans in environment ? Elaborate it on the basis of Indian view of conservation. *20*

7. In what ways did colonialism redefine the use of natural resource patterns in India ? *20*

8. Write a note on water-management methods during the colonial rule. *20*

9. Describe briefly the salient features of Deep Ecology and Social Ecology. *20*

10. What do you understand by 'Bio-diversity' ? Examine the importance of 'Bio-diversity'. *20*

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (इतिहास)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2015

एम.एच.आई.-08 : भारत में पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण का इतिहास

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए । प्रत्येक भाग में से कम-से-कम **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

भाग I

1. प्राचीन काल से विकसित भू-दृश्य के सामाजिक बोध पर चर्चा कीजिए । *20*

2. कृषि के प्रारम्भ से लेकर लौह-युग के प्रारम्भ तक संसाधन-उपयोग-प्रथा तथा मानव समाज पर इसके प्रभाव पर एक टिप्पणी लिखिए । *20*

3. भ्रमणशील पशुचारण समाज के विशिष्ट संदर्भ में मानव-प्रकृति की पारस्परिक-क्रियाओं का परीक्षण कीजिए । *20*

4. सिंधु घाटी सभ्यता के अभ्युदय तथा विकास में पर्यावरण के प्रभावों का परीक्षण कीजिए । *20*

5. पूर्व-औपनिवेशिक काल में वन संसाधनों के संदर्भ में संसाधन उपयोग पैटर्नों में परिवर्तनों का लेखा-जोखा दीजिए । *20*

भाग II

6. पर्यावरण के संबंध में आप मानव की भूमिका का क्या स्वरूप निर्दिष्ट करते हैं ? संरक्षण के भारतीय दृष्टिकोण के आधार पर इसकी विस्तार से व्याख्या कीजिए । *20*

7. उपनिवेशवाद ने भारत में प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग के पैटर्नों को किस प्रकार पुनर्परिभाषित किया ? *20*

8. औपनिवेशिक शासन के दौरान जल-प्रबंधन की पद्धतियों पर एक टिप्पणी लिखिए । *20*

9. अभिन्न पारितंत्र तथा सामाजिक पारितंत्र के विशिष्ट लक्षणों का संक्षेप में वर्णन कीजिए । *20*

10. 'जैव-विविधता' से आप क्या समझते हैं ? 'जैव-विविधता' के महत्त्व का परीक्षण कीजिए । *20*